M.A. S.Y. (Hindi) (New CBCS Pattern) Semester - III

MAHNCBCS303 - Vishesh Adhyayan: Munshi Premchand

P. Pages : 3 **GUG/S/23/10425**

Time : Three Hours * 0 8 1 5 * Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्ही तीन** की ससंदर्भ सहित व्याख्या किजिए। **30**

क) त्यागी दो प्रकार के होते है। एक वह जो त्याग में आनंद मानते है। जिनकी आत्मा को त्याग में संतोष और पूर्णता का अनुभव होता है। जिनके त्याग में उदारता और सौजन्य है। दूसरे वह जो दिल जले त्यागी होते है जिनका त्याग अपनी परिस्थितीयों से विद्रोह मात्र है, जो अपने न्याय पथ पर चलने का तावान संसार से लेते है जो खुद जलते है इसलिए दूसरों को भी जलाते है।

ख) जिसके पास जितनी बडी डिग्री है, उसका स्वार्थ भी उतना ही बढा हुआ है। मानो लोभ और स्वार्थ की विव्दत्ता का लक्षण है। गरीबों को रोटियां मयस्सर न हो, कपडों को तरसते हो पर हमारे शिक्षित भाइयों को मोटर चाहिए, बंगला चाहिए, नौंकरों की एक पलटन चाहिए। इस संसार को अगर मनुष्य ने रचा है तो अन्यायी है, ईश्वर ने रचा है तो उसे क्या कहे?

ग) जिसे तुम प्रेम कहती हो, वह धोखा है, उव्दिप्त लालसा का विकृत रूप उसी तरह जैसे संन्यास केवल भीख मांगने का संस्कृत रूप है। वह प्रेम अगर वैवाहिक जीवन में कम है, तो मुक्त विलास में बिलकुल नहीं है। सच्चा आनंद सच्ची शांति केवल सेवा व्रत में है। वही अधिकार का स्त्रोत है, वही शक्ति का उद्‌गम है।

घ) हम उन सारे गुणों से विभूषित करते है, जो हमारी बुध्दि की पहुँच से बाहर है। खिलाडीपन तो उन महान गुणों में नही। क्या हॅसते - खेलते बालकों का प्राण हर लेना कोई खेल है? क्या ईश्वर ऐसा दैशाचिक खेल खेलता है।

च) अधर्म करके अपना परलोक क्यों बिगाडती। पूर्व जन्म से न जाने कौन - से पाप किये थे जिसका वह प्रायाश्चित करना पडा। इस जन्म में काँटे बोती, तो कौन गति होती.

छ) लक्षण कह रहें है किं बहुत जल्द हमारे वर्ग की हस्ती मिट जानेवाली है। मै उस दिन का स्वागत करने को बैठा हुँ। ईश्वर वह दिन जल्द लाये। वह हमारे उध्दार का दिन होगा। हम परिस्थितियों का शिकार बने हुए है। यह परिस्थिती ही हमारा सर्वनाश कर रही है और जब तक संपत्ती की यह बेडी हमारे पैरों से न निकलेगी तब तक यह अभिशाप हमारे सिरपर मँडराता रहेगा हम मानवता का वह पद न पा सकेंगे, जिस पर पहुँचना ही जीवन का अन्तिम लक्ष्य है।

2. 'गोदान की धनिया भारतीय नारी समाज का पूर्ण प्रतिनिधित्व करती है।' इस कथन के आधार पर धनिया का चरित्र - चित्रण किजिए। **10**

अथवा

"कर्मभूमि" गांधीवादी, विचारधारा को प्रस्तुत करने वाला उपन्यास है।" इस कथन की विवेचना किजिए।

3. **किन्ही पाँच** लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **20**

1) मालती का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2) मंसाराम को होस्टेल में क्यो रखा जाता है।

3) अमरकांत पिता का घर छोडकर क्यों चला जाता है?

4) इलाचंद्र जोशी के साहित्य में व्यक्त व्यंग लिखिए।

5) जयशंकर प्रसाद छायावादी कवि थे। स्पष्ट किजिए।

6) कृष्णा सोबती का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।

7) होरी की अंतिम इच्छा क्या थी? क्यों?

4. सभी लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10**

1) गोबर का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2) सकीना कौन थी? उसकी आजिवीका साधन क्या है?

3) समरकांत कैसे व्यवसायी थे?

4) निर्मला उपन्यास में कौन कौन सी समस्याओं को उजागर किया गया है?

5) उषा - प्रियवंदा की साहित्यिक रचनाओं के कुछ नाम लिखिए।

5. निम्निलिखित विकल्पों या निर्देशों के आधार पर सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10**

1) मेहता किस उपन्यास के पात्र हैं?
   अ) गोदान ब) कर्मभूमि
   स) निर्मला द) गबन

2) मंदिर प्रवेश की घटना कौन से उपन्यास में है?
   अ) निर्मला ब) कर्मभूमि
   स) गबन द) गोदान

3) निर्मला उपन्यास का अंत है।
   अ) सुखद ब) दु:खद
   स) अधुरा द) इनमें से कोई नहीं

4) प्रेमचंद को सबसे अधिक सराहा गया प्रसिध्द उपन्यास कौन सा है?
   अ) कर्मभूमि ब) रंगभूमि
   स) गोदान द) गबन

5) तोताराम का बडा बेटा है।
   अ) जियाराम ब) सियाराम
   स) मंसाराम द) श्रीराम

6) फणीश्वरनाथ रेणुजी का उपन्यास है।
   अ) कर्मभूमि ब) मैला आँचल
   स) गोदान द) आपका बंटी

7) मुंशी प्रेमचंद किस भाषा के समर्थक थे?
   अ) हिन्दी ब) हिन्दुस्तानी
   स) उर्दू द) संस्कृत

8) निर्मला का विवाह कैसा था?
   अ) बे मेल ब) पारंपरिक
   स) रुढ़ीवादी द) सुंदर

9) जयशंकर प्रसादजी की रचना है।
   अ) ध्रुवस्वामिनी ब) अपने पराये
   स) सडक द) पद्मावत

10) इलाचंद्र जोशी ने अपने साहित्य के माध्यम से किस पर व्यंग कसा है?
   अ) परिवार पर ब) देशपर
   स) राजनीति पर द) समाजपर

****